



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 293]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 4, 1978/अश्विन 12, 1900

No. 293]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 4, 1978/ASVINA 12, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विस्तार मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1978

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सारणी

क्रम केन्द्रीय उत्पाद सं० शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की प्रथम अनुसूची की मद संख्या	वर्णन	प्रतिरिक्त उत्पाद शुल्क	शर्तें
--	-------	-------------------------	--------

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

सा० का० लि० 488(प्र).—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तुएं) अध्यादेश, 1978 (1978 का 4) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या के अंतर्गत सम्मिलित मामलों को, जैसे कि उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त अध्यादेश के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्त उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में तत्संबंधी मद में विनिर्दिष्ट शर्तों, यदि कोई हो, के अधीन, उक्त सारणी के स्तम्भ (4) की तत्संबंधी मद में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

1.	19A	सूती फैब्रिक	कुछ नहीं	फैब्रिक सूती वस्त्र (निर्य-जन) आदेश, 1948 के अधीन वस्त्र आयुक्त द्वारा समय-समय पर यथा परिभाषित 'घोसी', 'साड़ी', 'लांग क्लॉथ', 'शर्टिंग', या 'ड्रिल' के वर्णन के अनुरूप हैं और उनके लिए कारखाना-बाह्य अधिकतम कीमतें उक्त आदेश के अधीन वस्त्र आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की गई
----	-----	--------------	----------	---

1	2	3	4	5
				हैं और ऐसे फैब्रिक का प्रदाय किसी औद्योगिक समुत्थान को ऐसे कार-बाने द्वारा नहीं किया जाता, जिसमें उसका विनिर्माण या प्रसंस्करण किया गया है, और यदि ऐसे फैब्रिक का इस प्रकार प्रदाय किया जाता है तो, क्रय करने वाला औद्योगिक समुत्थान यह प्रमाणित करता है कि उसके द्वारा इस प्रकार क्रय किया गया फैब्रिक अनन्यतः पहनने योग्य प्रयोजनों के लिए किया जाएगा न कि किसी अन्य प्रयोजन के लिए ।
2. 19 III	संसेचित, लेपित या पटलित सूती फैब्रिक	आधारी फैब्रिक पर तत्समय उद्ग्रहणीय शुल्क, यदि पहले ही संवत् न किया गया हो ।	कुछ नहीं	कुछ नहीं
3. 22(3)	संसेचित, लेपित या पटलित कृत्रिम फैब्रिक	कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, "आधारी फैब्रिक" पर का वही अर्थ है, जो उसे केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की प्रथम अनुसूची की सब सं० 19 के अधीन स्पष्टीकरण 1 में दिया गया है ।

[सं० 177/78]

# MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATIONS

New Delhi, the 4th October, 1978

## CENTRAL EXCISES

G.S.R. 488 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Ordinance, 1978 (4 of 1978) the Central Government hereby exempts the goods of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the Item Number of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) as is specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, from so much of the additional duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the said Ordinance as is in excess of the said duty specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table, subject to the conditions, if any, specified in the corresponding entry in column (5) thereof.

TABLE				
Sl. No.	Item No. of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944	Description	Additional duty of excise	Conditions
1	2	3	4	5
1.	19 I	Cotton fabrics	Nil	The fabrics answer to the description of 'Dhoti' 'Saree', 'Long cloth', 'Shirting' or 'Drill' as defined from time to time by the Textile Commissioner under the Cotton Textile (Control) Order, 1948, and for which maximum ex-factory prices have been specified by the Textile Commissioner under the said Order and such fabrics are not supplied by the factory in which they are manufactured or processed, to an industrial concern, and if such fabrics are so supplied, the purchasing industrial concern certifies that the fabrics so purchased by it will be used exclusively for wearable purposes and not for any other purpose.
2. 19 III		Cotton fabrics impregnated, coated or laminated.	The duty for the time being leviable on base fabrics, if not already paid.	Nil
3. 22(3)		Man-made fabrics impregnated, coated or laminated.	Nil	Nil

**Explanation :** For the purpose of this notification the expression 'base fabrics' has the same meaning assigned to it in Explanation I under Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.

[No. 177/78]

सा० का० नि० 489(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तुएं) अध्यादेश, 1978 (1978 का 4) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम (8) के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अध्यादेश की अनुसूची में विनिर्दिष्ट माल को, यदि उसकी बाबत पूर्वोक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन अधिसूचनाएं, उस माल पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से उसे छूट देने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई है जितना उसके विनिर्माण में प्रयुक्त अन्य उत्पाद-शुल्क माल पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मध्यवर्ती उत्पाद" कहा गया है) और जो सम्बन्धित अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट हैं, पहले ही दिए जा चुके उत्पाद-शुल्क की रकम के बराबर हो तो, उस पर उद्ग्रहणीय उतने अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से, जितना सम्बन्धित अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट मध्यवर्ती उत्पादों पर पहले ही दिए जा चुके अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क के बराबर है, छूट देती है।

[सं० 178/78]

**G.S.R. 489 (E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Ordinance, 1978 (4 of 1978), the Central Government hereby exempts the goods specified in the Schedule to the said Ordinance if in respect of such goods notifications under sub-rule (1) of rule 8 of the aforesaid rules have been issued by the Central Government exempting them from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the amount of the duty of excise already paid on other excisable goods (hereinafter referred to as "intermediate products") used in their manufacture and which are specified in the respective notifications, from so much of the additional duty of excise leviable thereon as is equivalent to the additional duty of excise already paid on the intermediate products specified in the respective notifications.

[No. 178/78]

सा० का० नि० 490(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तुएं) अध्यादेश, 1978 (1978 का 4) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12, 12क और 191क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश करती है कि जहां माल उक्त अध्यादेश के अन्तर्गत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के अधीन है और जहां भारत से बाहर, नेपाल और भूटान से भिन्न, किसी देश या राज्यक्षेत्र को ऐसे माल के निर्यात पर, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार ने उक्त नियम 12 और 12क के अधीन अधिसूचना द्वारा या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड ने उक्त नियम 191क के अधीन घोषणा द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन ऐसे माल पर संवत् उत्पाद

शुल्क से छूट की अनुज्ञा दे दी है, वहां अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से छूट भी उन्हीं शर्तों के अधीन दी जाएगी जो उत्पाद-शुल्क से छूट को शासित करती है।

[सं० 179/78]

**G.S.R. 490 (E).**—In exercise of the powers conferred by rules 12, 12A and 191A of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of Section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Ordinance, 1978 (4 of 1978), the Central Government hereby directs that where the goods have been subject to an additional duty of excise under the said Ordinance and where on the export of such goods to any country or territory outside India, other than Nepal and Bhutan, the Central Government by notification under the said rules 12 and 12A, or the Central Board of Excise and Customs by a declaration under the said rule 191A, as the case may be, has permitted the rebate of excise duty paid on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), a rebate of the additional duty of excise shall also be made subject to the same conditions as govern the rebate of excise duty.

[No. 179/78]

सा० का० नि० 491(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तुएं) अध्यादेश, 1978 (1978 का 4) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि जहां उक्त अध्यादेश के अधीन कोई माल अतिरिक्त उत्पाद शुल्क का वायी है और जहां केन्द्रीय सरकार ने, उक्त नियम 191-ख के अधीन जारी की गई अधिसूचना द्वारा, विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क माल से, बंधपत्र के अधीन, विनिर्दिष्ट वस्तुओं के विनिर्माण की अनुज्ञा की है, वहां ऐसे उत्पाद-शुल्क माल से निमित्त, बंधपत्र के अधीन, ऐसी वस्तुओं का विनिर्माण वैसी ही शर्तों के अधीन रहते हुए, जो उक्त नियम 191-ख के अधीन ऐसे विनिर्माण को नियंत्रित करती है, उक्त अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए भी अनुज्ञेय होगा।

[सं० 180/78]

घार० के० चन्द्र, प्रवर सचिव

**G.S.R. 491(E).**—In exercise of the powers conferred by rule 191-B of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Ordinance, 1978 (4 of 1978), the Central Government hereby directs that where the goods are liable to additional duty of excise under the said Ordinance and where the Central Government has, by a notification issued under the said rule 191-B, permitted the manufacture of specified articles, in bond, from specified excisable goods, manufacture of such articles, in bond, from such excisable goods shall also be permissible for the purposes of the said Ordinance, subject to the same conditions as govern such manufacture under the said rule 191-B.

[No. 180/78]

R. K. CHANDRA, Under Secy.

